

प्रेषक,
किशन नाथ,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,
श्रम आयुक्त,
उत्तराखण्ड।

श्रम एवं सेवायोजन अनुभाग

देहरादून दिनांक 26 मार्च, 2012

विषय: वित्तीय वर्ष 2011-12 में अनुदान संख्या-16 के आयोजनेत्तर पक्ष के विभिन्न लेखाशीर्षकों में आयोजनेत्तर पक्ष से पुनर्विनियोग द्वारा धनराशि स्वीकृत के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या:-604/बजट-15/मु0/2011-12 दि0 21 फरवरी, 2012 के संदर्भ में अनुदान संख्या-16 के आयोजनेत्तर पक्ष के विभिन्न लेखाशीर्षक 2230-01-101-04 (आयोजनेत्तर से आयोजनेत्तर पक्ष में) के अन्तर्गत रू0 85,000/- (रू0 पिचासी हजार मात्र) की धनराशि का संलग्न बी0एम0-15 के विवरणानुसार विभिन्न मदों में उपलब्ध बचतों में से पुनर्विनियोग करते हुये व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर रखी जा रही है कि उक्त लेखाशीर्षकों की विभिन्न मानक मदों में आवंटित की जा रही धनराशि का व्यय सीमा तक ही सीमित रखा जाये। यहां पर यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहां व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहां ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाय। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

3- वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 209/XXVII(1)/2011 दिनांक: 31 मार्च, 2011 एवं 584/XXVII(1)/2011 दिनांक: 07 अक्टूबर, 2011 में प्राप्त निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में दिनांक 31-03-2012 तक किया जायेगा।

5- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या:-279 NP /XXVII(5)/2011-12 दिनांक 22 मार्च, 2012 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न-यथोपरि।

भवदीय,

(किशन नाथ)
अपर सचिव

पुनर्विनियोग 2011-12

आय व्ययक प्रपत्र-15

अनुदान संख्या-16

श्रम विभाग, उत्तराखण्ड

आयोजनेत्तर से आयोजनेत्तर

(धनराशि हजार रुपये में)

नियंत्रक प्राधिकारी - श्रम आयुक्त, उत्तराखण्ड।

बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक	मानक मदवार अध्यावधिक व्यय माह जनवरी, 2011 तक	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष सरप्लस समायोजित धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित की जानी है।	समायोजन के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	समायोजन के बाद स्तम्भ-4 में अवशेष धनराशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
2230-श्रम तथा रोजगार 01-श्रम 101-औद्योगिक संबंध 04-राज्य सलाहकार संविदा श्रम बोर्ड				2230-श्रम तथा रोजगार 01-श्रम 101-औद्योगिक संबंध 04-राज्य सलाहकार संविदा श्रम बोर्ड			वित्तीय वर्ष 2011-12 में स्तम्भ-5 के मानक मदों में धनराशि कम पड़ने के कारण एवं स्तम्भ-1 के मानक मदों में धनराशि की बचत होने के कारण पुनर्विनियोग प्रस्तावित है।
13-टेलीफोन पर व्यय 40	9	16	15	27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति 85	185	-	
45-अवकाश यात्रा व्यय 100	-	30	70			-	
						-	
योग 140	9	46	85	85	185	-	

प्रमाणित किया जाता है कि समायोजन से बजट मेनुअल परिच्छेद 150,151,155,156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

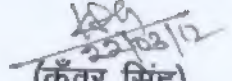
(किशन नाथ)
अपर सचिव


उत्तराखण्ड शासन
वित्त अनुभाग-5
संख्या:- 244MP/XXVII(5)/11-12
देहरादून, दिनांक 22 मार्च, 2012

पुनर्विनियोग स्वीकृत।

महालेखाकार, उत्तराखण्ड,
ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा,
देहरादून।

संख्या:- (1)/VIII/12-25(श्रम)/2011, तददिनांकित।
प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
1. श्रम आयुक्त, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।
2. संबंधित कोषाधिकारी।
3. गार्ड फाइल।


(कुंवर सिंह)
अपर सचिव, वित्त

आज्ञा से,

(किशन नाथ)
अपर सचिव